

डॉ. जॉन ओसवाल्ट, राजा, सत्र 20, भाग 3

2 राजा 6-8, भाग 3

© 2024 जॉन ओसवाल्ट और टेड हिल्डेब्रांट

हम एलीशा के उद्धार के मंत्रालय के बारे में बात कर रहे हैं, क्योंकि उसने शहर को भयानक, भयंकर घेराबंदी और उसके साथ चल रहे अकाल से बचाया था। अब, हमारे पास एक और घटना है। एक बार फिर, शूनेम की महिला को देखा गया है।

एक बार फिर, मैं कहना चाहता हूँ कि बाइबल में कुछ भी संयोग से नहीं लिखा गया है। अगर यह यहाँ है, तो परमेश्वर का इसमें कोई उद्देश्य है। हमने पहली बार 2 राजा 4 में शूनेम की स्त्री को देखा था। हमने अध्याय 2 में एलीशा की सेवकाई का परिचय देखा, सकारात्मक रूप से उसने यरीहो में झरने को खत्म कर दिया, पानी को अब जहरीला नहीं बनाया।

और फिर 42 युवा उपहास करने वालों का विनाश, सकारात्मक, नकारात्मक। फिर अध्याय 3 में, हमने मोआब पर हमले की कहानी देखी। और एलीशा का योराम को दिया गया अनिच्छुक संदेश।

फिर, अध्याय 4 की शुरुआत में, हम विधवा के तेल की कहानी देखते हैं, जो एलिय्याह की बहुत याद दिलाती है। फिर, अध्याय 4 के मध्य में, हमने शूनेमी स्त्री की कहानी देखी। और आपको याद होगा कि वह उससे बहुत प्रभावित थी।

और उसने अपने घर की छत पर एलीशा के लिए एक कमरा बनाया, जब भी वह उस रास्ते से आता। और एलीशा ने उससे एक बेटे का वादा किया। और देखो, बेटा पैदा हुआ।

और फिर बेटा लू लगने से पीड़ित हो गया। और वह स्त्री पूरी आस्था के साथ अपने गधे पर सवार होकर एलीशा के पास गई। और एलीशा को एहसास हुआ कि क्या हुआ था।

और अंततः, लड़के का जीवन पुनः बहाल हो गया। एक अर्थ में, विधवा के साथ मिलकर वह कहानी फिर से इस बात पर जोर देती है कि यह सेवकाई किस बारे में है। यह सेवकाई मृतकों में से जी उठने और असंभव को पूरा करने के बारे में है। जो बाल कभी नहीं कर सकता था।

बाल कभी भी अनंत समृद्धि नहीं ला सकता। बाल कभी भी मरे हुएों को जीवित नहीं कर सकता। यहोवा कर सकता है।

तो अब यहाँ, अध्याय 3 से अध्याय 7 तक, इन विवरणों के अंत में, एलीशा की सेवकाई के विवरण, लगभग सभी सकारात्मक, हमारे पास यह कहानी है। मुझे नहीं लगता कि यह आकस्मिक है। एलीशा ने उस महिला से कहा था जिसके बेटे को उसने जीवन में वापस लाया था, यह यहाँ है, और आप इसे शुरुआत में ही बिंगो के रूप में देख सकते हैं।

यह क्या है? अपने परिवार के साथ चले जाओ और जहाँ भी हो सके वहाँ कुछ समय के लिए रहो क्योंकि प्रभु ने देश में अकाल घोषित किया है जो सात साल तक चलेगा। महिला ने वैसा ही किया जैसा परमेश्वर के सेवक ने कहा था। वह और उसका परिवार चले गए और पलिशतियों के देश में सात साल तक रहे।

मैं आपका ध्यान दो बातों की ओर आकर्षित करना चाहता हूँ। पहली बात, भगवान अपने लोगों की देखभाल कर रहे थे। प्रकृति के क्रम में, अकाल आने वाला है।

क्या भगवान ने अकाल भेजा था? मुझे नहीं लगता। मैंने इस बारे में कई बार सोचा है। क्या आपने सोचा है? क्या ओहियो नदी पर आई भीषण बाढ़ तब आपदा थी जब ओहियो घाटी में कोई भी व्यक्ति नहीं रहता था? क्या खाड़ी तट पर आया तूफ़ान तब भयानक आपदा थी जब वहाँ कोई नहीं रहता था? मुझे नहीं पता कि उत्पत्ति 3 से पहले दुनिया कैसी थी, जब मनुष्य ने दुनिया में पाप लाया था।

क्या यह दुनिया पूर्ण संतुलन में थी? या फिर चक्र थे? तो, भगवान कहते हैं कि अकाल आने वाला है, और मैं चाहता हूँ कि आप उस अच्छी महिला को चेतावनी दें। तो उसने कैसे जवाब दिया? उसने विश्वास के साथ जवाब दिया। मुझे लगता है कि यह बिल्कुल स्पष्ट है कि अकाल अभी शुरू नहीं हुआ था, लेकिन एलीशा ने कहा कि अकाल आने वाला है, और उसने कहा कि हम यहाँ से निकल चुके हैं।

वाह। वाह। मैं भी ऐसा ही व्यक्ति बनना चाहता हूँ, है न? एक ऐसा व्यक्ति जो, जब यह स्पष्ट हो जाए कि ईश्वर क्या कह रहा है, तो कहता है, मैं अपने रास्ते पर हूँ।

अब कभी-कभी इसे समझने में थोड़ा समय लगता है। क्योंकि बार-बार, मेरे अनुभव में, उन्होंने जो कहा है, उसके लिए अक्सर उथल-पुथल की आवश्यकता होती है। और मैं गवाही दूंगा, मुझे उथल-पुथल पसंद नहीं है।

तो कभी-कभी मेरे जीवन में, मैंने यह कहते हुए बहुत समय बिताया है, भगवान, क्या आप वास्तव में यही कह रहे हैं? फिर से, मैं गवाही दूंगा; ऐसे समय भी आए हैं जब मेरे पास ऐसे प्रभाव थे जो बहुत शक्तिशाली और काफी गलत थे। अब, मैं ऐसे लोगों को जानता हूँ जो कहते हैं, ओह, मैं तुरंत भगवान की आवाज़ पहचान लेता हूँ। काश यह मेरे लिए सच होता।

ऐसा नहीं है। लेकिन फिर भी, जैसे-जैसे मैं बड़ा हुआ हूँ, मैं समझ सकता हूँ कि वह कब बोल रहा है। लेकिन मैं उस तरह का व्यक्ति बनना चाहता हूँ।

मैं उसकी तरह बनना चाहता हूँ। भगवान कहते हैं, अरे, अकाल आने वाला है। तुम्हें यहाँ से निकल जाना चाहिए। ठीक है, जड़ से उखाड़कर चले जाओ।

एक विदेशी देश में जाओ, पलिशतियों। इस्राएल के मित्र नहीं। वह उठकर चली गई।

सात साल के बाद, वह पलिशियों के देश से वापस आई और अपने घर और ज़मीन के लिए राजा से अपील करने गई। क्या आपको याद है जब हमने नाबोत और उसके अंगूर के बाग के बारे में बात की थी? ज़मीन परिवार के पास ही रहनी थी। यह इस्राएलियों की नहीं थी।

यह प्रभु का था, और उसने उन्हें भूमि का उपयोग करने का अधिकार दिया। तो, इस स्थिति में, ऐसा लगता है कि जब भूमि को छोड़ दिया गया, तो यह शाही संपत्ति बन गई। और इसलिए, वह कहने जा रही है, अरे, क्या मैं अब पारिवारिक भूमि वापस ले सकती हूँ? राजा गेहजी से बात कर रहा था।

एक मिनट रुकिए, एक मिनट रुकिए। नामान की पराजय के बाद, गेहजी को यह भयानक चर्म रोग हो गया। क्या यह कहानी संभवतः नामान की घटना से पहले की है? और इसे धार्मिक कारणों से यहाँ रखा गया है? यह एक संभावना है।

लेकिन दूसरी संभावना यह है कि गेहजी ठीक हो गया है। मुझे इस बारे में थोड़ी देर बात करने दीजिए। मुझे लगता है कि यह बाइबिल की भविष्यवाणी का एक महत्वपूर्ण तत्व है।

बुतपरस्त भविष्यवाणी में, भविष्यवक्ता बताता है कि क्या पहले से तय है। हो सकता है कि यह सितारों का आकार हो या कुछ और, लेकिन यह होने जा रहा है। यह होना ही है।

बाइबल की भविष्यवाणी अलग है। बाइबल की भविष्यवाणी हमें बताती है कि अगर ऐसा हुआ तो क्या होगा। और वह अगर हमेशा हम पर निर्भर करता है।

यदि आप जीवन भर ईश्वर की आज्ञाओं का पालन करते हैं या यदि आप जीवन भर ईश्वर की आज्ञाओं का पालन नहीं करते हैं, तो कुछ भी नहीं होना है। कुछ लोगों के लिए यह बात समझ पाना बहुत मुश्किल है। इसलिए, आपको ऐसे बयान मिलते हैं जो बहुत व्यापक होते हैं।

तो, इस घटना में हमें बताया गया है कि गेहजी और उसका परिवार कुछ रोगी हो जाएगा, यह याद करते हुए कि मैंने हैनसेन की बीमारी के बारे में क्या कहा था। बस यही है। ऐसा होने जा रहा है।

यदि आप अध्याय 6, श्लोक 27 पर वापस जाएं, तो नामान का कोढ़ आपको और आपके वंशजों को हमेशा के लिए जकड़ लेगा। बिंगो। कोई अगर नहीं, कोई और नहीं, कोई परंतु नहीं।

यह सच है। हमेशा के लिए। आपको जकर्याह में भी ऐसा ही कथन मिलता है।

यरूशलेम फिर कभी नहीं गिरेगा। कभी नहीं। यह 520 ईसा पूर्व की बात है।

यरुशलम फिर से गिर गया। यह 70 ई. में गिर गया। यह 135 ई. में गिर गया।

और यह कई बार गिर चुका है। क्या हो रहा है? क्या बाइबल झूठ बोल रही है? नहीं। मान लीजिए कि आप वफ़ादार हैं, परमेश्वर के वचन का पालन कर रहे हैं, और उसके लिए अपना जीवन जी रहे हैं, तो यरूशलेम को फिर कभी गिरने की ज़रूरत नहीं है।

मुझे लगता है कि यह दूसरी तरह से काम करता है। गेहजी, तुम हमेशा के लिए कोढ़ी ही रहोगे जब तक कि तुम पश्चाताप और विश्वास के साथ परमेश्वर की ओर नहीं मुड़ते। मुझे नहीं पता कि यहाँ क्या हुआ।

लेकिन मुझे लगता है कि यह पूरी तरह से संभव है कि, वास्तव में, गेहजी को ठीक कर दिया गया हो। मैं बार-बार उस कथन के बारे में सोचता हूँ जो हमें इस पुस्तक में आगे पढ़ने को मिलेगा कि यहूदा को मनश्शे के पापों के कारण निर्वासन में जाना पड़ा। राजा जिसने 52 वर्षों तक शासन किया।

भयानक पापी। लेकिन उसके पोते योशियाह ने पश्चाताप किया। लेकिन बाइबल कहती है, फिर भी, मनश्शे के पापों के कारण परमेश्वर ने यहूदा को निर्वासित कर दिया।

मैं इस बारे में तब और बात करूँगा जब हम वहाँ पहुँचेंगे। लेकिन मैं बस यह बात आपके दिमाग में बिठाना चाहता हूँ। क्या यह पहले से तय था कि यह होगा चाहे कुछ भी हो या न हो? इस बारे में सोचें।

लेकिन इस मामले में, मैं आपको यह संभावना बताना चाहता हूँ कि, वास्तव में, गेहजी ने पश्चाताप किया है। उसने विश्वास किया है और वह ठीक हो गया है। तो, वह क्या कर रहा है? वह कहानी बता रहा है।

अब यह मेरे लिए दिलचस्प है। राजा फिर से अध्याय 8 में सुनना चाहता है। राजा कहता है, मुझे एलीशा द्वारा किए गए सभी महान कार्यों के बारे में बताओ। क्या उसने पश्चाताप किया है? मुझे नहीं लगता।

देखिए, हम सभी को चमत्कार की कहानियाँ सुनना पसंद है, है न? हमें आश्चर्यजनक कहानियाँ सुनना पसंद है। वह यह नहीं कहता कि मुझे यहोवा के बारे में बताओ, जिसने एलीशा को ये अद्भुत काम करने के लिए प्रेरित किया। वह यहोवा के बारे में जानना नहीं चाहता।

वह एलीशा के बारे में जानना चाहता है। अब, शायद मैं निर्दयी हो रहा हूँ। हो सकता है, वास्तव में, उसका हृदय कुछ हद तक बदल गया हो।

मुझे नहीं पता। लेकिन मुझे ऐसा नहीं लगता। मुझे लगता है कि उसे सिर्फ रोमांचक चीज़ों, अजीब चीज़ों में दिलचस्पी है।

और इसलिए गेहजी, जैसे ही गेहजी राजा को बता रहा था कि एलीशा ने कैसे मरे हुएों को ज़िंदा किया था, वह महिला जिसके बेटे को एलीशा ने ज़िंदा किया था, यहाँ एक बात कह रही थी, है न? वह घर और ज़मीन के लिए राजा से अपील करने आई थी। गेहजी ने कहा, यह वही महिला है, मेरे प्रभु, राजा। यह उसका बेटा है, जिसे एलीशा ने ज़िंदा किया था।

मेरी गिनती के अनुसार, चार बार। जीवन में वापस लाया गया, जीवन में वापस लाया गया, जीवन में वापस लाया गया। क्या आपको लगता है कि वे कोई बात साबित करने की कोशिश कर रहे हैं? हाँ।

क्या यहोवा इस्राएल को जीवन दे सकता है? हाँ, वह कर सकता है। हाँ, वह कर सकता है। जो उसने उस लड़के के लिए किया है, वह अपने बेटे इस्राएल के लिए भी कर सकता है।

आगे जो होने जा रहा है वह बालवाद को नष्ट करने का तंत्र है। लेकिन यह काफी दूर तक नहीं गया। मुझे लगता है कि जो बात कही जा रही है वह यह है कि अगर कोई पश्चाताप करता है और विश्वास करता है तो इज़राइल को बहाल किया जा सकता है।

उन्होंने उसके मामले में एक अधिकारी को नियुक्त किया और उससे कहा, उसका सब कुछ वापस कर दो, जिसमें देश छोड़ने के दिन से लेकर अब तक उसकी ज़मीन से हुई सारी आय भी शामिल है। खैर, यह बहुत उदारता है। लेकिन पश्चाताप और विश्वास कहाँ है? मुझे यह दिखाई नहीं देता।

और हम इसे आने वाले दिनों में नहीं देख पाएंगे। तो, सवाल यह है कि आपके और मेरे लिए, परमेश्वर आपके जीवन में, मेरे जीवन में क्या बहाल करना चाहता है? वह जो रहा है और जो होना चाहिए और जो हो सकता है, उसे कैसे वापस लाना चाहता है? ओह, वह चमत्कार करने वाला परमेश्वर है। यह एलीशा के चमत्कार नहीं हैं, यह यहोवा के चमत्कार हैं।

और वे चमत्कार आज भी आपके और मेरे लिए उतने ही उपलब्ध हैं जितने तब थे। अब, मैं यह कहना चाहता हूँ कि वे शायद उस तरह के न हों जैसे एलीशा और एलीशा ने किए थे। यह इस्राएल के इतिहास में एक विशेष क्षण था, ठीक वैसे ही जैसे यीशु की सेवकाई विश्वास के इतिहास में एक विशेष क्षण था।

और उन क्षणों में, महान चमत्कार होने की संभावना है। लेकिन मैं आपसे जो कहना चाहता हूँ वह है नए जीवन का चमत्कार, मुक्ति प्राप्त जीवन का चमत्कार, पाप और नरक की मृत्यु से वापस लाए गए जीवन का चमत्कार। यह एक ऐसा चमत्कार है जो आपके और मेरे लिए हर दिन उपलब्ध है। उसके नाम की स्तुति करो।